Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 28 ▫ अंक- 208 ▫ रायपुर, शुक्रवार 22 अगस्त 2025 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

कवच प्रणाली से लैस हुआ बिलासपुर रेलवे जोन का पहला रेल इंजन, 551 रेल इंजनों में किया जाएगा स्थापित

बिलासपुर, 22 अगस्त (हाईवे चैनल)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 551 रेल इंजनों में क्रमिक रूप से कवच प्रणाली स्थापित करने का काम शुरू कर दिया गया है. इसकी शुरुआत गुरुवार को भिलाई में स्थित इलेक्ट्रिक लोको शेड में एक इंजन को कवच प्रणाली से लैस करके की गई.

रेल यातायात में संरक्षा और गति क्षमता को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय रेलवे द्वारा विकसित स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम 'कवच' का कार्य दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में प्रारंभ किया गया है. इस प्रणाली का उद्देश्य ट्रेनों के बीच टक्कर को रोकना तथा लोको पायलट को केबिन में ही वास्तविक समय (रियल टाइम) सिग्नल संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना है.

यह प्रणाली स्टेशन इंटरलॉकिंग और लोकोमोटिव के बीच संचार नेटवर्क के माध्यम से सिग्नल डेटा का आदान- प्रदान करती है. साथ ही पटरियों पर लगाए गए आरएफआईडी टैग लोकोमोटिव की सटीक स्थिति निर्धारित करने में सहायक होती है. दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत नागपुर-झारसुगुड़ा रेलखंड में कवच प्रणाली स्थापित करने का कार्य शुरू किया गया है. उसी के तहत इस रेल इंजन में कवच लगाया गया है. इस अवसर पर प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे तथा मंडल रेल प्रबंधक रायपुर की उपस्थिति रही. शेष लोकोमोटिवों में भी कवच प्रणाली का कार्य चरणबद्ध किया जाएगा.

यह भारतीय रेलवे की एक उन्नत स्वदेशी संरक्षा तकनीक है. जो ट्रेन संचालन को संरक्षित कुशल बनाने के लिए डिजाइन की गई है. इस ऑटोमैटिक तकनीक के जरिए अब दो ट्रेनों के बीच आमने-सामने की टक्कर से बचाव सुनिश्चित होगा. यह प्रणाली सिग्नल एवं स्पीड से संबंधित दुर्घटनाओं को रोकने में पूर्णत: सक्षम है. पूरे सेक्शन में विश्वसनीय वायरलेस कम्युनिकेशन स्थापित किया जाता है. जिससे स्टेशन इंटरलॉकिंग सिस्टम, सिग्नल तथा समपार फाटकों की जानकारी सीधे लोको पायलट को मिलती है।

सीएम साय ने टोक्यो में किया ऐतिहासिक असाकुसा मंदिर का दर्शन

प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की

रायपुर, 22 अगस्त (हाईवे चैनल)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जापान की राजधानी टोक्यो में ऐतिहासिक असाकुसा मंदिर का दर्शन किया। सीएम साय ने ट्वीट कर कहा कि आज टोक्यो में ऐतिहासिक असाकुसा मंदिर दर्शन का अवसर मिला। यह टोक्यो का सबसे प्राचीन और प्रतिष्ठित मंदिर है, जो शांति और सामर्थ्य का प्रतीक है। मंदिर दर्शन कर छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की खुशहाली और समृद्धि की कामना की, जिससे हमारा राज्य शांति और सामर्थ्य से परिपूर्ण बन सके।

बता दें कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान और दक्षिण कोरिया के आधिकारिक दौरे पर गया है। इस यात्रा का उद्देश्य छत्तीसगढ़ को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थापित करना है। टोक्यो (22-24 अगस्त) में प्रतिनिधिमंडल जापानी उद्योगपतियों, व्यापार संघों और निवेशकों के साथ इन्वेस्टर कनेक्ट सेशंस एवं व्यावसायिक बैठकों में भाग लेगा। इसके बाद ओसाका (25-26 अगस्त) में मुख्यमंत्री साय वर्ल्ड एक्सपो 2025 में शामिल होंगे और छत्तीसगढ़ में निवेश अवसरों पर विभिन्न हितधारकों से चर्चा करेंगे। दौरे का अंतिम चरण सियोल (27-29 अगस्त) में होगा, जहां निवेशक गोलमेज बैठकों, कोरिया की शीर्ष कंपनियों और व्यापार संघों से मुलाकात तथा सेक्टर-विशेष संवाद आयोजित किए जाएंगे।

ब्रेकिंग न्यूज

ट्रेन से गिरा यात्री, कचना फाटक के पास खून से लथपथ मिला

रायपुर, 22 अगस्त (हाईवे चैनल)। राजधानी रायपुर के कचना फाटक में आज सुबह बड़ा हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार चलते ट्रेन के गेट पर एक यात्री लापरवाही से बैठे-बैठे सो गया। इस दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर पड़ा। हादसे के बाद यात्री खून से लथपथ हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गेट से गिरने के बावजूद यात्री की सांसें चल रही थीं। घटना की सूचना तुरंत पुलिस प्रशासन को दी गई। मौके पर पहुंची खामरहड़ी थाना पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। हादसा सुबह लगभग 4 बजे का बता

भिलाई में हत्याकांड को अंजाम देने वाले पिता-पुत्र गिरफ्तार

दुर्ग, 22 अगस्त (हाईवे चैनल)। भिलाई के कैम्प 2 में फिर एक बार हत्या का मामला सामने आया है। इस बार जमानत पर जेल से छूटकर आए आरोपी ने उसके खिलाफ गवाही देने वाले गवाह को धमकाने पहुंचा तो पिता-पुत्र ने मिलकर आरोपी की हत्या कर दी। धमकाने पहुंचे आरोपी सोनू और पुत्र के बीच आपस में हाथापाई हुई और फिर पिता-पुत्र ने चाकू से हमला कर सोनू रेड्डी की हत्या कर दी। पुलिस ने इस पूरे मामले पर दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया है। दरअसल सोनू बाबू रेड्डी छावनी के श्याम नगर कैंप 2 का रहने वाला है, जो पिछले 5 साल से हत्या के मामले में जेल में बंद था। जगन की हत्या के मामले में साल 2020 में सोनू रेडी के घर के सामने रहने वाले सुधाकर मोहरे की पत्नी इस केस में गवाही दी थी। वहीं सोनू और धन्ना मोहरे पहले अवैध शराब का कारोबार करते थे, लेकिन दोनों के बीच विवाद हो गया था। वहीं हत्या के बाद सोनू जेल चला गया और धन्ना अकेले कारोबार करने लगा। सोनू उर्फ बाबू रेड्डी पिछले दिनों ही हाईकोर्ट से जमानत पर 5 साल बाद छूटकर जेल से बाहर आया था। इसके बाद वह घर के सामने रहने वाले सुधाकर मोहरे के घर पहुंच गया और उसकी पत्नी और सुधाकर को धमकाने लगा कि वह उसके खिलाफ किसी प्रकार की कोई गवाही न दे। इसी बीच सोनू रेड्डी के जेब में चाकू भी था। सुधाकर मोहरे और उसके पुत्र के साथ सोनू रेड्डी की जमकर वाद विवाद हो गया। गाली गलौज हुई, इसी बीच सोनू बाबू रेड्डी का चाकू जमीन पर गिर गया।

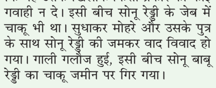

चूहा- सुनती हो, सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को राहत देते हुए बरी कर दिया है।
चुहिया- हां जी, लेकिन सशर्त हैं बेचारों को नसबंदी करानी होगी।

शिक्षकों के वेतनमान मामले में हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी, 15 सितंबर तक सरकार से मांगा जवाब

बिलासपुर, 22 अगस्त (हाईवे चैनल)। क्रमोन्नत वेतनमान की मांग को लेकर 300 शिक्षकों ने हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिका लगाई है. जिस पर एकसाथ सुनवाई हुई, इस दौरान राज्य शासन की ओर से पैरवी कर रहे महाधिवक्ता कार्यालय के विधि अधिकारियों ने जवाब पेश करने के लिए समय मांगा. इस पर कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जब पहले से ही सुनवाई की तारीख तय थी, तो तैयारी अधूरी क्यों रही. हालांकि, अदालत ने राज्य सरकार को अंतिम मौका देते हुए 15 सितंबर तक जवाब पेश करने का निर्देश दिया है.

याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि स्कूल शिक्षा विभाग और डीपीआई ने समान प्रकरणों में भेदभाव किया है. मामले की सुनवाई जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की सिंगल बेंच में हुई. अब इन सभी याचिकाओं पर 15 सितंबर के बाद सुनवाई होगी. साथ ही याचिकाकर्ताओं के वकीलों को भी रिप्लाई (रिज्वाइंडर) दाखिल करने की अनुमति दी गई है. दरअसल, इससे पहले शिक्षिका सोना साहू की याचिका पर हाई कोर्ट ने राज्य शासन को क्रमोन्नत वेतनमान और एरियर्स की राशि भुगतान का आदेश दिया था. आदेश के बाद सरकार ने शिक्षिका के खाते में वेतनमान और एरियर्स जमा भी कराए थे. हाई कोर्ट का यह फैसला शिक्षकों के लिए टर्निंग पाइंट साबित हुआ. इसके बाद पूरे प्रदेश में बड़ी संख्या में शिक्षक क्रमोन्नत वेतनमान को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाने लगे. जानकारी के अनुसार अब तक 27 हजार से अधिक शिक्षकों ने याचिकाएं दायर कर दी हैं, जिन पर क्रमवार सुनवाई शुरू होगी. सोना साहू केस के बाद जिन शिक्षकों ने तुरंत याचिका लगाई थी, उन्हें हाई कोर्ट ने विभाग के समक्ष अभ्यावेदन देने और नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया था. इन शिक्षकों ने अभ्यावेदन पेश भी किया, लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग और डीपीआइ ने उन्हें खारिज कर दिया. अब ऐसे शिक्षक भी पुन: हाई कोर्ट पहुंचे हैं.

पत्नी को मानसिक रोगी बताकर पति ने मांगा तलाक, हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

कहा- डॉक्टर की पर्ची पर्याप्त नहीं, ठोस सबूत चाहिए

इधर एक अन्य मामले में मानसिक बीमारी के आधार पर तलाक के मामले में हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सिर्फ डॉक्टर की पर्ची या नुस्खा पेश करना पर्याप्त नहीं है। ऐसे मामलों में याचिकाकर्ता को ठोस सबूत प्रस्तुत करने होंगे और मनोरोग चिकित्सक की विशेषज्ञ गवाही अनिवार्य होगी। जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस एके प्रसाद की डिवीजन बेंच ने परिवार न्यायालय के फैसले को सही ठहराते हुए पति की याचिका खारिज कर दी। दरअसल, रायगढ़ जिले के पति ने अपनी पत्नी को मानसिक रोगी बताते हुए हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 12 (1)(बी) के तहत विवाह रद्द करने की मांग की थी। पति-पत्नी का विवाह 3 मार्च 2008 को हुआ था और उनकी दो बेटियां भी है। पति का आरोप था कि विवाह से पहले ससुराल पक्ष ने पत्नी को पूर्ण रूप से स्वस्थ बताया था, लेकिन शादी के बाद उसका व्यवहार असामान्य हो गया। वह चिल्लाने-चीखने, सामान फेंकने और बच्चों को मारने-पीटने लगी। चिकित्सकीय जांच में उसके सिजोफ्रेनिया से पीड़ित होने की बात सामने आई। पत्नी ने अदालत में कहा कि अक्टूबर 2018 में वह ससुराल छोड़कर मायके चली गई थी और फिर कभी वापस नहीं लौटी। पति ने इसी आधार पर विवाह रद्द करने की याचिका दायर की। मामले की सुनवाई के बाद पारिवार न्यायालय ने पति की याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने माना कि पति यह साबित करने में नाकाम रहा कि पत्नी विवाह के समय से ही सिजोफ्रेनिया की मरीज थी, जिसके बाद पति ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। हाई कोर्ट ने पारिवार न्यायालय के फैसले को सही ठहराते हुए पति की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि विवाह रद्द करने का दावा करने वाले याचिकाकर्ता पर स्पष्ट और ठोस सबूत पेश करने की जिम्मेदारी है। केवल डाक्टर की पर्ची या नुस्खा दाखिल कर देना पर्याप्त नहीं होगा। जब तक उपचार करने वाले मनोरोग विशेषज्ञ की गवाही और पुष्टि नहीं होती, मानसिक बीमारी का आधार साबित नहीं माना जा सकता।

मेडिकल बिल पास करने शिक्षक से मांगे 10 हजार, एसीबी ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

रायपुर, 22 अगस्त (हाईवे चैनल)। भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी-ईओडब्ल्यू की लगातार कार्रवाई जारी है। मेडिकल बिल पास करने के नाम पर शिक्षक से 10 हजार रुपए की घूस मांगने वाले बाबू को एसीबी ने रंगेहाथ पकड़ा है। बाबू को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी स्कूल में शिक्षकों से लगातार घूस ले रहा था। उनके मेडिकल बिल से लेकर अन्य चीजों के लिए वह पैसा लेता था, तभी काम करता था। एक शिक्षक ने बाबू से तंग आकर एसीबी से शिकायत की थी। अभनपुर पारागांव निवासी चंद्रहास निषाद शासकीय स्कूल चांपाझार चंपारण में शिक्षक हैं। उनके बच्चे की तबीयत खराब थी, जिसके इलाके में डेढ़ लाख रुपए खर्च हुए। चंद्रहास ने स्कूल में एक लाख रुपए का मेडिकल बिल लगाया था। इस बिल को पास कराने के लिए बाबू ने 10 हजार रुपए की डिमांड की थी। इस मामले पर एसीबी ने बाबू को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा।

चित्रकूट वॉटरफॉल में पिकनिक मनाने गया युवक नहाने के दौरान डूबा

जगदलपुर, 22 अगस्त (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल चित्रकूट वॉटरफॉल के पास बड़ा हादसा हो गया। यहां मिनी गोवा में पिकनिक मनाने पहुंचे युवकों में से एक पानी में नहाते समय डूब गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहीं युवक की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया लेकिन अंधेरे की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया। जानकारी के अनुसार, गुरुवार को 7 युवक पिकनिक मनाने मिनी गोवा पहुंचे थे। इसी दौरान 21 वर्षीय अभय नारायण सिंह, निवासी धरमपुरा, नहाने के दौरान गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और जिला बाढ़ बचाव दल मौके पर पहुंचे और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। टीम ने देर शाम तक रेस्क्यू अभियान चलाया, लेकिन तेज बहाव और अंधेरा होने के कारण युवक का पता नहीं लगाया जा सका। इसके चलते रेस्क्यू अभियान रोकना पड़ा।

अब गांव का डाकघर भी होगा स्मार्ट!

नई दिल्ली, 22 अगस्त (न्यूज चैनल)। भारतीय डाक ने घोषणा की कि उसने आईटी 2.0 उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) के राष्ट्रव्यापी शुभारंभ के साथ डिजिटल परिवर्तन के एक नए युग में प्रवेश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस पहल को डिजिटल इंडिया की दिशा में भारतीय डाक की यात्रा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है। यह उन्नत डाक प्रौद्योगिकी प्लेटफ़ॉर्म देश के 1.65 लाख डाकघरों में से प्रत्येक में तेज़, अधिक विश्वसनीय और नागरिक-अनुकूल डाक और वित्तीय सेवाएँ लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

डाक प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित यह प्रणाली सरकार के मेघराज 2.0 क्लाउड पर चलती है और बीएसएनएल की राष्ट्रव्यापी कनेक्टिविटी द्वारा समर्थित है। सिंधिया ने कहा कि यह परियोजना भारतीय डाक को एक विश्वस्तरीय सार्वजनिक रसद संगठन में बदल देगी। उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत का एक उदाहरण बताया - जो अत्याधुनिक तकनीकी समाधानों के निर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता को दर्शाता है। यह नई प्रणाली कई अगली पीढ़ी की सुविधाएँ प्रदान करती है, जिनमें एकीकृत इंटरफ़ेस, क्यूआर-कोड-आधारित भुगतान, ओटीपी-आधारित डिलीवरी और सटीकता में सुधार के लिए 10-अंकीय अल्फ़ान्यूमेरिक डीजीपिन शामिल हैं। आपको बता दें कि एडवांस पोस्टल टेक्नोलॉजी को आईटी 2.0 प्रोग्राम के तहत 5800 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित किया गया है। इसके बाद आपके गांव का डाकघर अमेजन से भी ज्यादा स्मार्ट हो जाएगा। यह बुकिंग से लेकर डिलीवरी तक, सभी के लिए संपूर्ण डिजिटल समाधान भी प्रस्तुत करता है, जिससे एक खुले नेटवर्क सिस्टम के माध्यम से बेहतर दक्षता और मज़बूत ग्रामीण कनेक्टिविटी सुनिश्चित होती है। इसकी शुरुआत चरणबद्ध तरीके से की गई, जिसकी शुरुआत मई-जून 2025 में कर्नाटक डाक सर्कल में एक पायलट प्रोजेक्ट के साथ हुई। प्रारंभिक अनुभवों के साथ प्लेटफ़ॉर्म को और बेहतर बनाने के बाद, इस परियोजना का देशव्यापी विस्तार हुआ और 4 अगस्त तक यह सभी 23 डाक सर्कलों में फैल गई।

रायपुर सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे 6 कैदी बना रहे इको फ्रेण्डली गणेश प्रतिमाएं

रायपुर 22 अगस्त (हाईवे चैनल)। आगामी गणेशोत्सव के मद्देनजर रायपुर केंद्रीय जेल के कैदी भगवान गणेश को इको. फ्रेंडली गणेश प्रतिमाएं बना रहे हैं। ये मूर्तियां मिट्टी से बनाई जा रही हैं ताकि विसर्जन के बाद ये पर्यावरण को कोई नुकसान न पहुंचे। ये प्रतिमाएं जेल एम्पोरियम में प्रदर्शनी और बेहद किफायती दरों पर बिक्री के लिए रखी गई हैं। कि इन प्रतिमाओं का निर्माण आजीवन कारावास की सजा काट रहे छह कैदियों भोजराम पिता बिसाहू सुजीत पिता सुभाष खेलन पिता पूरन भेषन पिता हेमलाल दीपक पिता कांता और हेमंत पिता विष्णु ने किया है। जेल प्रशासन का मानना है कि इस तरह की गतिविधियाँ कैदियों को आत्मनिर्भर बनाने उनके भीतर छिपी कला को निखारने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनती हैं। इससे कैदियों को न केवल आत्मविश्वास मिलता है बल्कि उनका पुनर्वास भी सशक्त रूप से संभव हो पाता है।

विसर्जन के बाद पर्यावरण को नहीं होगा कोई नुकसान, 51 रुपए से बिक्री के लिए शुरू

जेल एम्पोरियम में प्रदर्शनी और बेहद किफायती दरों पर हो रही बिक्री

आम जनता के लिए सुलभ कीमतें

कैदियों द्वारा बनाई गई इन प्रतिमाओं को बेहद किफायती दरों पर उपलब्ध कराया गया है। 51, 251 और 351 मूल्य श्रेणी में ये प्रतिमाएँ रायपुर जेल परिसर स्थित जेल एम्पोरियम में प्रदर्शनी और बिक्री के लिए रखी गई हैं। यहाँ आमजन इन प्रतिमाओं को खरीदकर कैदियों के प्रयासों की सराहना कर सकते हैं और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव की इस यात्रा का हिस्सा भी बन सकते हैं।

आस्था और पर्यावरण का संगम

प्लास्टर ऑफ पेरिस और रासायनिक रंगों से बनी प्रतिमाओं के विपरीत कैदियों द्वारा निर्मित ये गणेश मूर्तियाँ मिट्टी से बनी है जो विसर्जन के बाद पर्यावरण को कोई हानि नहीं पहुँचातीं। इस प्रकार यह पहल आस्था और पर्यावरण संरक्षण दोनों का सुंदर संगम प्रस्तुत करती है। इन मूर्तियों को जेल के बाहर एक स्टॉल पर बेचा जा रहा है। इनकी कीमत 51 रुपए से 351 रुपए तक है। लोग यहाँ से मूर्तियाँ खरीद रहे हैं क्योंकि ये सस्ती होने के साथ. साथ पर्यावरण के लिए सुरक्षित भी हैं।